DETAILS EXPLANATIONS

Paper Code : RPSCEE14 | : RPSCCE14 | RPSCME14

[अनुभाग-अ]

1. **(क)** (i) जलोर्जा (ii) यशोगान
(ख) (i) विपत् + जाल (ii) निः + चल

2. **(क)** (i) शचिस्मिता (ii) घृतान्न
(ख) (i) कपड़े से छाना हुआ (ii) मोदक है जिसके प्रिय

3. **(क)** (i) वि– विकास, विज्ञान, विदेश, विधवा।
(ii) औ – औगुन, औगढ़, औसर, औघर।
(ख) (i) अधि (ii) प्र

4. **(क)** (i) अक – लेखक, नायक, गायक, पाठक।
(ii) आपा – मुटापा, बुढ़ापा।
(ख) (i) आई (ii) आनी

5. **(क)** (i) इन्द्र – सुरपति, पुरंदर, वासव, महेन्द्र।
(ii) खिड़की – गवाक्ष, झरोखा, बारी, वातायन।
(ख) (i) कुलदीप – कुलांगार (ii) खल – सज्जन

6. (i) अतल – तलहीन
अतुल – जिसका तुलना न हो सके।
(ii) अणु – कण
अनु – पीछे

7. (i) कामचोर (ii) कवयित्री
(iii) तस्कर (iv) थान

8. (i) अहल्या (ii) मैथली शरण
(iii) ऊँचाई (iv) पक्षिराज

9. (i) रमा की आँखों से आँसू बहते है।
(ii) ये अच्छा लड़का है।
(iii) माँ मेरे मामा के घर गई है।
(iv) इत्र महक रहा है।

10. (i) टोपी उछालना – इज्जत मिट्टी में मिलाना।
प्रयोग : कामिनी ने घर से भागकर शादी करके अपने माँ–बाप की टोपी उछाल दी है।
(ii) गले मढ़ना – बलात् सौंपना।
प्रयोग : गृहस्थी का सारा काम मेरे भाइयों ने मरे गले मढ़ दिया है।
प्रयोग : ठाकुर साहब की वह लड़की हमारे बेटे के लायक नहीं थी, फिर भी उसके गले मढ़ दी।

(iii) ऐसी–तैसी करना – खरी–खोटी सुनाकर बेइज्जत करना।

प्रयोग : अगर तुमने मेरे काम में अड़चन पैदा की तो मै तुम्हारी ऐसी की तैसी कर दूँगा।

(iv) टेढ़ी खीर होना – कठिन कार्य ।

प्रयोग : प्रदूषण से लबरेज वातावरण में, स्वास्थ्य रहना टेढ़ी खीर है।

(v) बगुला भगत होना – ढ़ोंगी व्यक्ति।

प्रयोग : वो साधु तो बगुला भगत निकला, सबको लूट कर भाग गया।

(vi) रंगा सियार होना – धोकेबाज होना।

प्रयोग : पाकिस्तान रंगा सियार है, वह अपनी आदतों से कभी बाज नहीं आएगा।

(vii) राई का पर्वत करना – छोटी बात को बहुत बढ़ा देना।

प्रयोग : दामोदर बड़ा धूर्त है, किसी भी बात को राई से पर्वत बनाकर कहता फिरता है।

(viii) शहद लगा कर चाटना – बेकार चीज की हिफाजत करना।

प्रयोग : इन पुराने कपड़े को क्यो शहद लगाकर चाट रहे हो? कल मैं नये कपड़े जरूर ला दूँगा।

11. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए– (कोई चार)

(i) नेकी और पूछ–पूछ।

भलाई करने में क्या पूछना।

प्रयोग : सखी ने सीता से कहा, ''क्या तुम राम को देखना चाहती हो।'' यह सुनते ही सीता ने सखी को आलिंगन में बाँधते हुए कहा नेकी और पूछ–पूछ।

(ii) नौ सौ चूहे खाय, बिल्ली हज को चली।

आजीवन पाप करके अन्त में धर्मात्मा या साधु बनने का ढोंग करना।

प्रयोग : इस सेठ को कौन नहीं जानता। गरीबों के गहने, खेत, घर आदि रिवी रखकर इसने अपार सम्पत्ति जोड़ी। ब्याज के बदले इसने छोटे बच्चों तक को नहीं बंधुआ रखा आज यह धर्मशाला और मन्दिर बनवा रहा है। प्याऊ लगा रहा है। वास्तव में यह सेठ नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत का साक्षात् उदाहरण है।

(iii) देखे ऊँट किस करवट बैठता है?

क्या स्थिति बनती है।

प्रयोग : अभी तो मैच शुरु हुआ हैं देखते हैं ऊँट किस करवट बैठता है।

(iv) अमानत में खयानता।

किसी के पास अमानत के रूप में रखी गई वस्तु खर्च कर देना।

प्रयोग : अध्यापक ने हमें बताया कि अमानत में खयानत करना अच्छी बात नहीं है।

(v) भरी थाली में लात मारना।

अच्छी भली नौकरी या रोजी को छोड़ना।

प्रयोग : आज शिक्षित प्रशिक्षित भी बेरोजगार घूम रहे हैं। सौभाग्य से तुम्हें अच्छी खासी नौकरी मिली है। जरा–सी बात पर तुनक कर इसे छोड़ना भरी थाली में लात मारना है।

(vi) नीम हकीम खतर–ए–जान।

अधकचरे ज्ञान वाले से काम कराना खतरनाक होता है।

प्रयोग : तुम किसी विशेषज्ञ से ही आँखों का ऑपरेशन कराना। आर. एस.पी. लिखकर बड़े–बड़े बोर्ड लगाए इन फर्जी डॉक्टरों के चक्कर में मत पड़ना, क्योंकि नीम हकीम औश्र खतर–ए–जान।

(vii) पानी में रहकर मगर से वैर करना।

शक्तिशाली आश्रयदाता से वैर करना।

प्रयोग : परदेशी और विधर्मी होते हुए भी तुमको इस गाँव के मुखिया ने मानवता के नाते गाँव में शरण दी। रहने–खाने का प्रबन्ध किया और आज तुम उसी मुखिया का विरोध करने चले हो। मेरी मानों पानी में रहकर मगर से वैर करना उचित नहीं है।

(viii) प्यादे से फरजी भयो टेढ़ो–टेढ़ो जाय।

छोटा आदमी बड़े पद पर पहुँचकर इतराकर चलता है।

प्रयोग : रमेश जब मामूली सिपाही था तब बहुत ही सीधी–सादी चाल का आदमी था, पर अब थानेदार बनने के बाद तो वह अपनों से भी टेढ़ा चलने लगा है। उसकी चर्चा होने पर परिचितों के बीच यह कहावत चल निकली है कि प्यादे से फरजी भयो टेढ़ों–टेढ़ो जाय।

12. (i) भार (ii) संधि

(iii) छूट (iv) प्रबंधकारिणी समिति।

(v) आँकड़ों में मेल बैठाना (vi) क्षेत्र

(vii) न्यायिक पुनरावलोकन (viii) स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति